eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम–प्रबन्ध संरचना

विद्या भूषण[1]
[1]असिस्टेंट प्रोफेसर– वाणिज्य विभाग, ही0रा0 स्ना0 महाविद्यालय, खलीलाबाद, संत कबीर नगर उ0प्र0

Received: 21 Jan 2026 Accepted & Reviewed: 25 Jan 2026, Published: 31 Jan 2026

Abstract

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) देश के सबसे बड़े राज्य परिवहन उपक्रमों में से एक है, जिसकी स्थापना 1 जून 1972 को की गई थी। यह निगम प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती, सुरक्षित एवं सुलभ परिवहन सेवाएँ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य UPSRTC की प्रबन्ध संरचना, संगठनात्मक ढाँचे, प्रशासनिक व्यवस्था तथा निर्णय–निर्माण प्रणाली का विश्लेषण करना है। अध्ययन में यह स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार निदेशक मंडल, प्रबंध निदेशक, क्षेत्रीय एवं परिचालन स्तर के अधिकारी निगम के सुचारु संचालन हेतु उत्तरदायी हैं। साथ ही, प्रबन्ध संरचना की चुनौतियाँ जैसे वित्तीय घाटा, मानव संसाधन प्रबंधन, तकनीकी आधुनिकीकरण और सेवा गुणवत्ता का भी विवेचन किया गया है। निष्कर्षतः यह अध्ययन दर्शाता है कि प्रभावी प्रबन्ध संरचना के माध्यम से UPSRTC सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में अपनी दक्षता और विश्वसनीयता को सुदृढ़ कर सकता है।

प्रमुख शब्द– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, प्रबन्ध संरचना, सार्वजनिक उपक्रम, निदेशक मंडल, परिवहन प्रशासन, सार्वजनिक परिवहन प्रणाली

Introduction

परिवहन मानव सभ्यता के सबसे पुराने समय से विकास का साथी रहा है। परिवहन के अभाव में प्रगति असम्भव प्रतीत होती है। परिवहन राष्ट्रीय प्रगति के लिए आवश्यक एवं सभ्यता की आधारशिला है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सड़कों के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए भूतपूर्व परिवहन मंत्री जानमथाई ने कहा था– ''यदि देश के विपुल प्राकृतिक स्रोतों और असीमित जनशक्ति का उपयोग जनसाधारण के हित के लिए करना है, तो इनको उत्पत्ति के कार्यों में उपयोग किया जाना चाहिए, इन्हें परिवहन के साधनों विशेषतः सड़क परिवहन से ही प्रगतिशील बनाया जा सकता है।'' परिवहन केवल आवागमन का साधन नहीं है, बल्कि यह सभ्यता का पहिया है। जितना उन्नत और सुव्यवस्थित परिवहन तंत्र होगा, उतना ही तेज देश का विकास होगा। आज ड्रोन, हाई–स्पीड ट्रेन, इलेक्ट्रिक वाहन और हाइपरलूप जैसी नई तकनीकें परिवहन के क्षेत्र में क्रांति ला रही हैं। एक सशक्त, पर्यावरण अनुकूल और समावेशी पविहन प्रणाली ही समृद्ध और सशक्त भारत का आधार बनेगी।

''परिवहन वह धमनियाँ हैं, जिनके द्वारा देश का जीवन–रक्त संचारित होता है।''

परिवहन मानव सभ्यता का एक अत्यन्त महत्त्वपूर्ण आधार स्तम्भ है। यह वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति (यात्री) और वस्तुओं (माल) को एक स्थान से दूसरे स्थान तक सुरक्षित, शीघ्र और सुविधाजनक रूप से पहुँचाया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो परिवहन वह सेतु है, जो दूरियों को कम करता है, समाज को जोड़ता है और अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करता है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) जिसे आमतौर पर यूपी रोडवेज के नाम से जाना जाता है, उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन एक सार्वजनिक

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

क्षेत्र की परिवहन निगम है। यह उत्तर प्रदेश राज्य की सबसे बड़ी और सबसे महत्त्वपूर्ण सड़क परिवहन सेवा है, जो राज्य के भीतर तथा राज्य के पड़ोसी राज्यों में बस सेवाएँ संचालित करती है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम उत्तर प्रदेश की जीवन रेखा है। यह न केवल आम जनता को सस्ती और विश्वसनीय यात्रा सुविधा प्रदान करता है, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक एकता को भी मजबूती देता है।

''रोडवेज चलता है, तो प्रदेश चलता है।''

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबन्धकीय संरचना को समझने के लिए नीचे कुछ चित्र दिए गए हैं, उनकी सहायता से आसानी से समझा जा सकता है कि देश के सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले राज्य में यह निगम अपना कार्य सुचारू रूप से किस प्रकार कर पाता है।

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के अन्तर्गत क्षेत्र और डिपों की संख्या

क्रम संख्या	क्षेत्र का नाम	डिपों की संख्या
1.	आगरा	6
2.	गाजियाबाद	8
3.	मेरठ	5
4.	सहारनपुर	6
5.	अलीगढ़	7
6.	मुरादाबाद	8
7.	बरेली	4
8.	हरदोई	6
9.	इटावा	6
10.	कानपुर	6
11.	झाँसी	2
12.	लखनऊ	7
13.	अयोध्या	4
14.	देवीपाटन	3
15.	चित्रकूट	4
16.	इलाहाबाद	8
17.	आजमगढ़	7
18.	गोरखपुर	8
19.	वाराणसी	8
20.	नोएडा	2
	कुल	**115**

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

संगठनात्मक चार्ट– प्रशासनिक– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वर्तमान में देश के बड़े सार्वजनिक परिवहन संगठनों में से एक प्रमुख स्थान रखता है। चूँकि इसका आकार इतना विस्तृत है, जिसमें ग्रामीण अन्तर राज्य मार्ग एवं शहरी मार्ग का एक विशाल नेटवर्क सम्मिलित किए हुए है। इतनी बड़ी संरचना को संचालित करने के लिए बहुत ही कुशल, सुदृढ़ एवं संगठित प्रबन्धकीय संरचना की आवश्यकता होती है। नीचे दिए गए संरचना के अनुसार ही उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने इतनी विस्तृत नेटवर्क को संचालित कर पा रहा है।

1. संघटनात्मक संरचना :

अ. मुख्यालय : – उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का मुख्यालय राज्य की राजधानी लखनऊ में स्थित है। यह उत्तर प्रदेश से राज्य सड़क परिवहन निगम का केन्द्रीय प्रशासनिक और नीतिगत निर्णय केन्द्र है।

ब. क्षेत्रीय कार्यालय :– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम देश के सबसे बड़े राज्य परिवहन निगम में से एक है, इतनी बड़ी व्यवस्था को चलाने के लिए उत्तर प्रदेश में कुल 20 क्षेत्रीय कार्यालय काम कर रहे हैं।

स. परिक्षेत्रीय कार्यालय :– परिक्षेत्रीय कार्यालय निगम की संचालनिक रीढ़ माने जाते हैं। इनका नेतृत्व परिक्षेत्रीय प्रबन्धक करते हैं, जो बस संचालक और कर्मचारियों की गतिविधियों की प्रत्यक्ष निगरानी करते हैं।

द. डिपो स्तर की संरचना :

- डिपो प्रबन्धक
- सहायक डिपो प्रबन्धक
- निरीक्षक
- चालक
- परिचालक
- तकनीकी कर्मचारी
- लेखाकार

2. शीर्ष प्रबन्धन :

अ. अध्यक्ष

ब. प्रबन्ध निदेशक

स. निदेशक मण्डल की संरचना

- अध्यक्ष
- प्रबन्ध निदेशक
- वित्त निदेशक

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

- तकनीकी निदेशक
- संचालन निदेशक
- प्रशासनिक निदेशक
- राज्य सरकार के नामित प्रतिनिधि
- श्रमिक प्रतिनिधि
- स्वतंत्र सदस्य

द. प्रमुख विभाग

- प्रशासनिक विभाग
- वित्त विभाग
- तकनीकी विभाग
- परिचालन विभाग
- मानव संसाधन विभाग
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- विविध विभाग

3. विभागीय संरचना :

अ. प्रशासनिक विभाग
ब. वित्त विभाग
स. अभियंत्रण विभाग
द. परिचालन विभाग
य. मानव संसाधन विभाग
र. सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग
ल. विविध विभाग

4. क्षेत्रीय एवं परिक्षेत्रीय प्रबन्धन :

अ. क्षेत्रीय प्रबन्धक की भूमिका :

- प्रशासनिक नेतृत्व
- संचालन नियंत्रण
- वित्तीय निगरानी
- मानव संसाधन प्रबन्धन
- तकनीकी एवं रखरखाव निरीक्षण

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

- शिकायत एवं जनसम्पर्क
- समन्वय भूमिका

ब. परिक्षेत्रीय प्रबन्धक की भूमिका :

- दैनिक संचालन प्रबन्धन
- वित्तीय नियंत्रण
- डिपो प्रबन्धन व्यवस्था
- कर्मचारी प्रबन्धन व्यवस्था
- यात्री सुविधा और सुरक्षा की व्यवस्था
- प्रदर्शन मूल्यांकन
- रिपोर्टिंग की व्यवस्था

स. क्षेत्रीय नियंत्रण एवं समन्वय प्रणाली

- बहुस्तरीय निगरानी की व्यवस्था
- सूचना प्रवाह प्रणाली
- नियमित समीक्षा बैठकें
- नियंत्रण और सुधार प्रक्रिया की व्यवस्था
- सहयोग और पारदर्शिता की व्यवस्था

5. डिपो स्तर पर प्रबन्धन :

अ. डिपो प्रबन्धक
ब. सहायक प्रबन्धक एवं अधीक्षक
स. निरीक्षक, चालक, परिचालक आदि की भूमिका
द. दैनिक संचालन एवं रखरखाव प्रणाली

6. निगम की मानव संसाधन नीति :

अ. भर्ती और चयन प्रक्रिया
ब. प्रशिक्षण और विकास
स. वेतनमान एवं प्रोत्साहन प्रणाली
द. श्रम सम्बन्ध और कर्मचारी कल्याण

7. निर्णय प्रक्रिया एवं नियंत्रण प्रणाली :

अ. प्रबन्धकीय निर्णय प्रक्रिया :

- समस्या की पहचान करना

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

- उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण करना
- उपयुक्त विकल्प का चुनाव
- विकल्प को कार्यान्वयन रूप में निरूपण
- मूल्यांकन
- आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्यवाही

ब. आन्तरिक नियंत्रण संरचना :

- वित्तीय नियंत्रण प्रणाली
- परिचालन नियंत्रण प्रणाली
- तकनीकी नियंत्रण प्रणाली
- प्रशासनिक नियंत्रण प्रणाली

स. निगरानी एवं आडिट प्रणाली :

- निगरानी प्रणाली
- आन्तरिक आडिट प्रणाली
- बाह्य आडिट प्रणाली

8. संचार व्यवस्था :

अ. लिखित संचार व्यवस्था
ब. मौखिक संचार व्यवस्था
स. औपचारिक एवं अनौपचारिक संचार व्यवस्था
द. इलेक्ट्रानिक संचार व्यवस्था

9. सूचना प्रवाह प्रणाली :

अ. Upward सूचना प्रवाह प्रणाली
ब. अधोगामी (downward) सूचना प्रवाह प्रणाली
स. आड़ी (horizontal) सूचना प्रवाह प्रणाली
द. आईटी (IT) आधारित सूचना प्रवाह प्रणाली

10. समन्वय व्यवस्था :– उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम एक बहुत ही विस्तृत संरचना है, निगम अपने सभी कार्यों को सुचारू रूप से कर पाए, इसके लिए समन्वय सभी स्तरों पर कार्य–कुशलता और एकजुटता बनाए रखने का प्रमुख साधन है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के जितने भी विभाग हैं, वह सभी एक–दूसरे से कहीं न कहीं जुड़े हुए हैं। एक विभाग की असफलता दूसरे विभाग को प्रभावित करती है। समन्वय में इन सभी विभागों को एक दूसरे पर निर्भर और एक दूसरे के साथ मिलकर कार्य करने के लिए साक्षमता प्रदान करता है।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

निष्कर्ष :– उपरोक्त की गई व्याख्या के आधार पर यह कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने संचालन के लिए जिस प्रकार की प्रबन्धकीय संरचना का उपयोग करता है, काफी हद तक सुव्यवस्थित, कार्यात्मक, समयानुकूल और व्यवस्थित रूप से पदानुक्रमिक है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में जिस प्रकार से पदों को व्यवस्थित किया गया है जैसे कि निदेशक मण्डल, अध्यक्ष, प्रबन्ध निदेशक, अपर प्रबन्ध निदेशक, क्षेत्रीय प्रबन्धक, सहायक प्रबन्धक और यही क्रम व्यवस्थित रूप से नीचे तक चलता जाता है, जिससे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने निदेशक मण्डल द्वारा लिए गए निर्णय को नीचे (जमीनी स्तर) तक ले जाने में अपने प्रबन्धकीय संरचना का भरपूर उपयोग करता है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की यह प्रबन्धकीय संरचना ही है, जिसके कारण यह निगम देश के सबसे ज्यादा जनसंख्या वाले राज्य में इतनी बड़ी संख्या में बसों का सुव्यवस्थित संचालन कर पा रहा है। प्रबन्धकीय संरचना ही है, जिसके कारण बड़े से बड़े अधिकारी का छोटे से छोटे कर्मचारियों के बीच समन्वय स्थापित हो सका है।

जैसा कि हम जानते हैं कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का मुख्य उद्देश्य राज्य की जनता और राज्य से सटे हुए राज्यों की जनता के लिए समयबद्ध, सुरक्षित और किफायती यात्रा उपलब्ध कराना है। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने इस उद्देश्य में काफी हद तक सफल रहा है, जिसका एक और कारण उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सुव्यवस्थित प्रबन्धकीय संरचना है। प्रबन्धकीय संरचना के कारण ही चाहे वह बड़ा अधिकारी हो या छोटा कर्मचारी सबको अपने–अपने अधिकार और उत्तरदायित्व स्पष्ट रूप से पता होते हैं, जिस कारण सभी लोग अपने–अपने कार्य को ईमानदारी पूर्वक कर पाते हैं, लेकिन यहाँ यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि जिस प्रकार दिन–प्रतिदिन तकनीकी विकास हो रहा है, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को भी अगर भविष्य में प्रबन्धकीय संरचना में समय–समय पर कुछ परिवर्तन करते रहने चाहिए, क्योंकि कोई भी व्यवस्था कितनी भी सुव्यवस्थित क्यों न हो, समय के अनुसार उसमें परिवर्तन होना अनिवार्य है, नहीं तो अच्छी से अच्छी व्यवस्था के विफल होने की सम्भावना रहती है।

आने वाले समय में जिस प्रकार प्रबन्ध के क्षेत्र में नित्य प्रतिदिन नए–नए शोध का प्रकाशन हो रहा है, नई तकनीक, मानव संसाधन प्रबन्धन पर अधिक जोर, ग्राहक संतुष्टि पर अधिक जोर, डिजिटिलाइजेशन इत्यादि को समय–समय पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम को अपने प्रबन्धकीय संरचना में समाहित करना होगा, जिससे उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम अपने उद्देश्यो की प्राप्ति में सफल रहेगा।

सन्दर्भ :

1. भारत की खोज (पं० जवाहरलाल नेहरू)।
2. हिन्दी स्वराज (महात्मा गांधी)।
3. दैनिक जागरण, अमर उजाला (लेख)।
4. NCERT बुक्स।
5. इंटरनेट सर्च।
6. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की वार्षिक रिपोर्ट।

eISSN 2583-6986
IDEALISTIC JOURNAL OF ADVANCED RESEARCH IN PROGRESSIVE SPECTRUMS (IJARPS)
A MONTHLY, OPEN ACCESS, PEER REVIEWED (REFEREED) INTERNATIONAL JOURNAL
Volume 05, Issue 01, January 2026

7. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का राष्ट्रीयकरण (भारतीय लोक प्रशासन पत्रिका)।
8. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की कार्यप्रणाली का विश्लेषणात्मक अध्ययन, श्रीमती मंजू गुप्ता।
9. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम वेबसाइट।
10. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम–सेवन नियमावली, 1981।
11. भारत में राज्य सड़क परिवहन निगम उपक्रम– स्थिति और मुद्दे, एस०के० सिंह।
12. उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वित्तीय निष्पादन का मूल्यांकन, कमला वारिस।